

3, 515. MED. r. 107. अन्तरे (oder अन्तरा) गृहा नगरवाह्याद्यापडालादिगृहा उच्यन्ते Kāç. zu P. 1, 1, 36. अन्तरायां पुरि Vārit. अन्तरायै नगरे Vop. 3, 9. 75. नमो उत्तरस्मा अन्तरेण dem, der nicht mit den Thoren ist, Vop. 3, 37. Nach Sā. würde auch noch Çā. Br. 5, 2, 8, (s. u. c.) hierher gehören. Vielleicht beruht aber die hier angegebene Bedeutung nur auf einem Missverständniß des बहिर्गोणे P. 1, 1, 36. «In Verbindung mit बहिस्» könnte recht gut auch «da, wo अन्तर als Gegens. von बहिस् erscheint,» bedeuten. — 2) n. a) das Innere, = मध्य AK. 3, 4, 189. H. 1460. an. 3, 514. MED. r. 107. = अन्तर H. an. 3, 515. मेधानामन्तरगताः सूर्यस्येव गभस्तयः R. 5, 83, 7. जालात्तरगते भानौ पत्सुम् दृश्यते रजः M. 8, 132. महेत्केव घनात्तरस्या Aṅ. 1, 2. अन्तरेण शरीरात्तरचारिणा Hip. 4, 4. अस्मिन्वनात्तरे N. 12, 76. वृत्तात्तरगतं कपिम् R. 5, 31, 9. कल्पलतात्तरेषु Çik. 164, v. 1. पटात्तरेण (v. 1. पटानेन, vgl. 37, 2, v. 1.) मुखमावृत्य 69, 11, v. 1. इत्यन्योऽन्यविलसद्दृष्टिचतुरे तस्मिन्ववस्थातरे AMAR. 20. Folgt als Appos.: अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः KATHOP. 2, 5. MUNḌ. UP. 1, 2, 8. मन्मनुम् — क्रोधो नात्तरमाविशत् Viçv. 15, 3. पौरुषे अयं शोकस्य नात्तरं दातुमर्हसि du darfst nicht der Trauer den Eingang gestatten R. 4, 6, 13. अन्तरम् hinein: समुद्रमेणापि रन्ध्रेण प्रविशत्यन्तरं रिपुः PAÑKĀT. II, 42. प्रविशात्तरम् KATHĀS. 4, 50. ब्रह्मात्तरम् 3, 39. स्तोत्रकमन्तरं गवा Çik. 8, 9. गवा कन्तात्तरं लन्यत् in ein anderes Gemach M. 7, 224. जलाशयात्तरे गच्छामि Hit. 39, 8. स तामन्तःपुरात्तरं प्रावेशयत् Vid. 117. 103. अन्तरात्तरं aus — heraus: ततस्ते वानराः सर्वे प्राकारपरिखात्तरात् ॥ निर्ययुः R. 4, 31, 26. अन्तरे in: वनात्तरे R. 3, 39, 39. काननात्तरे 5, 3, 4. अन्तरेण दशभिर्वापैः प्रत्यविध्यत्स्तनात्तरे 3, 34, 26. तदन्तरे darin KATHĀS. 3, 35. भुवोऽन्तरे H. 988. hinein: प्रविश्यात्तरे Vid. 144. तां स प्रातिपत्यञ्जरात्तरे PAÑKĀT. III, 44. वासकात्तरे भुजम् — न्यवेशयत् Vid. 213. — b) Loch, Oeffnung H. 1364. an. 3, 514. तस्य वाणात्तरेभ्यस्तु बद्धं मुन्नाव शोणितम् R. 3, 33, 84. तथाप्यद्य करिष्यामि कामवाणकृतात्तरम् (मानम्) BRAHMA-P. in LA. 53, 13. (Lassen gegen das Versmaass: कृता°). — c) das Innere, der Kern einer Sache, Inhalt: अन्तरात्तरं ब्रह्मविदो विदित्वा ÇVETĀÇ. UP. 1, 7. किं त्वहं वेद्मि ह्यरायुवयोर्भाषात्तरे सम्यग् श्रूणामि PAÑKĀT. 167, 6. — d) Seele, Herz (अन्तरात्मन्, COLEBR.: the supreme soul) AK. 3, 4, 189. MED. r. 107. — e) Zwischenraum AK. 3, 4, 189. H. an. 3, 514. MED. r. 107. सरस्वतीदृषदत्तोर्यदन्तरम् M. 2, 17. तयोरेवात्तरं गिर्योरार्यावर्तं विडुर्बुधाः 22. न ह्यविद्धं तयोर्गात्रे बभूवाङ्गुलमन्तरम् R. 6, 20, 22. कृयानो नात्तरं ज्ञासीत्पदाद्विचलितुं पदम् Aṅ. 9, 6. द्यावापृथिव्योरिदमन्तरं हि व्याप्तं त्र्यैकेन BHAG. 11, 20. मूषकेः । कृतेऽन्तरे wenn Mäuse dazwischen gelaufen sind JĀC. 1, 147. मुन्निभक्तात्तरद्वारी (पुरी) R. 1, 3, 8. कर्मात्तरे in den Zwischenräumen einer Opferhandlung 13, 21. क्रियात्तरे bei einer Unterbrechung der Handlung P. 3, 4, 57. अन्त्रयोग्यात्तरेषु R. 2, 1, 9. संवत्सरादत्तराद्वा in einem Jahre oder im Zwischenraume, d. h. vor Ablauf desselben SUÇR. 2, 79, 19. स पर्वसंधिः प्रतिपत्यञ्चदृशोर्यदन्तरम् AK. 1, 1, 3, 7. H. 149. स्थित्वा किञ्चित्क्षणात्तरम् eine kleine Weile R. GORR. 2, 114, 12. ततोऽहं विपुलं कार्यं संनिष्य निमियात्तरात् 5, 56, 59. क्षणात्तरे nach einer Weile KATHĀS. 21, 52. Vid. 188. तव — भक्षणापोपस्थितस्यान्तरे während du dich daran machst ihn zu verzehren PAÑKĀT. 183, 3. एतस्मिन्वन्तरे inzwischen, unterdessen, mittlerweile R. 1, 14, 21. 31, 9. 5, 56, 9. 6, 8, 37. PAÑKĀT. 163, 14. = तस्मिन्वन्तरे IṬIB. bei ROSEN zu R. V. 6, 5. = अन्तरात्तरे PAÑKĀT. 40, 21.

62, 12. Hit. 43, 19. Vid. 28. 154. = तत्रात्तरे PAÑKĀT. 57, 25. अन्तरम् zwischen (auf die Frage wohin): यदि चैतरय — बाह्यैर्नाद्याकृमन्तरम् । प्रविशामि N. 21, 10. मदाह्वत्तरमागतः Hip. 4, 4. ब्राह्मणानामन्तरमपक्रातः PAÑKĀT. 198, 1. अन्तरे dazwischen: वानस्पत्यानि चान्यानि अन्तरे ऽपि व्यधापयन् R. 6, 96, 13. unterweges: न खल्वन्तरे (v. 1. अन्तरा) दृष्टा त्वया देवी Çik. Ch. 136, 3. zwischen AK. 3, 5, 10. H. 1538. mit dem gen. oder am Ende eines comp.: चतुश्चैवात्तरे भुवोः (कृत्वा) BHAG. 5, 27. अथ खलु ते वाणापातवर्तिनः कृष्णसारस्यात्तरे तपस्विन् उपस्थिताः Çik. 6, 14. भुजात्तरे — विदलीकृतः R. 3, 57, 22. Çik. 145. RAGH. 2, 20. H. 574. 1109. न्भोनभस्ययोः — इवात्तरे RAGH. 12, 29. unter: अन्तरेण अन्तरे ज्ञातः H. 1538. Sch. Vgl. अन्तरेण. — f) Periode AK. 3, 4, 189. H. an. 3, 514. MED. r. 107. सति ते मनवः — स्वे स्वे ऽन्तरे सर्वमिदमुत्पाद्यापुञ्जराचरम् M. 1, 63. Vgl. मन्वत्तर. — g) Zwischenglied, was sich zwischen zwei Gegenständen befindet: स धुर्यो वै परिस्पन्दन्मुगचक्रात्तरं यथा R. 2, 14, 12. एकात्तरं adj. durch ein Zwischenglied getrennt M. 10, 13. द्वेकात्तरामु (vom Manne durch ein oder zwei Zwischenglieder getrennt) ज्ञातानाम् 7. एकात्तरमाम्भित्तम् ein durch ein zwischenliegendes Wort getrennter Vocativ P. 8, 1, 55. द्वन्द्वम् — सप्तुरेकात्तरम् ein Paar, das nur durch eine Generation von Brahman getrennt ist, Çik. 186. Ein solches adj. comp. ist oxytonirt P. 6, 2, 166. — h) Entfernung, Strecke: अन्त्यात्तरगतानो तु श्रुत्वा तेषां वचः R. 4, 18, 17. मद्दत्तरम् । जगाम पुरुषव्याघ्रः 2, 49, 1. अथ तौ समतिक्रात्तौ क्रोशामात्रात्तरेण 3, 74, 20. प्रापयामास स योजनशतात्तरम् । उज्जयिन्याः समीपं तं राजानम् Vid. 34. पदात्तरे in der Entfernung von einem Schritte Çik. 12, 7. 13. 41, 8. 45, 2. व्यामो बाह्योः सकर्योस्ततपोस्तियर्गत्तरम् AK. 2, 6, 3, 38. अथ यावत्किञ्चिदध्नोऽन्तरे गच्छति PAÑKĀT. 169, 23. प्रापातस्य कथंचिद्दूरमन्तरम् KATHĀS. 8, 80. प्रयातो किञ्चिदन्तरम् 4, 38. अन्तरगतं fern weilend KĀT. 7. — i) Entfernung, Abwesenheit: तस्यात्तरं च विदित्वा R. 1, 48, 17. रत्नसामन्तरप्रेती 5, 9, 46. तासामन्तरमासाद्य रत्नसीनो वराङ्गना । अन्तरेण ततः सीता 66, 20. — k) der Abstand zwischen zwei Dingen, Unterschied AK. 3, 4, 189. H. an. 3, 514. MED. r. 107. मुराष्ट्रसौवीरकयोर्यदन्तरे तदन्तरं वै तव राघवस्य R. 3, 33, 56. 57. तदन्तरं ते रघुनन्दनस्य च 58. नेत्रनेत्रशयोरिवमन्तरम् BHAG. 13, 34. उभयोः पश्यतात्तरम् Hit. 1, 60. शरीरस्य गुणानां च ह्यरमत्तमन्तरम् 43. प्रधानपुरुषात्तरं (zwischen dem प्र° und dem पु°) सूक्ष्मम् SĀKḤEJAK. 37. Unterschied im Betragen gegen Jmd (loc.): यथा सौम्य न मातृषु ममात्तरम् । भूतपूर्वं विशेषो वा तस्या मयि सुते ऽपि वा ॥ dass von meiner Seite früher kein Unterschied im Betragen gegen die verschiedenen Mütter bestand, und von ihrer Seite auch kein Unterschied in Bezug auf mich und ihren Sohn R. 2, 22, 17. — l) Rest (mathem.) COLEBR. Alg. 5. 171. — m) Verschiedenheit, ein Anderes, am Ende eines comp.: शाखात्तरमुपेयिवान् zu einer anderen Schule übergangen Viçv. 8, 2. देशात्तरस्थ in einem andern Lande befindlich M. 5, 78. स्थानात्तरं गन्तुमिच्छामि Hit. 25, 19. जननात्तरं eine andere, frühere Geburt Çik. 99. जन्मात्तराणि frühere Geburten, देशात्तराणि frühere Zustände Hit. I, 201. प्रत्ययात्तरम् ein anderes Suffix P. 4, 1, 93, Sch. पन्तात्तरे im andern Falle, sonst Kāç. zu P. 1, 2, 36. भवात्तरे im andern, zukünftigen Leben AK. 3, 5, 8. नानादिदेशात्तरादागत्य Hit. 9, 4, v. 1. für नानादिदेशादागत्य. Pleonastisch auch mit dem gleichbedeutenden अन्य verbunden: अन्यत्स्थानात्तरं गत्वा PAÑKĀT. 22, 14. अन्यमार्गात्तरे पागत्य